

18¹² 24 आज यह पत्रावली पेश हुई।
मैं भी उपस्थित नहीं। वादी व वादी,
कमील की बार-बार आवाज लगाए गए
किन्तु मैं भी उपस्थित नहीं हूँ। वादी व
वादी कमील के लावण्य सूचना अमुक
समय से पत्रावली अफम हालती व
अफम पत्रावली में श्वारिज की जाती
है। पत्रावली केवल शुभार होकर नभार
से कम है। बाद में दार्जिल दल्लार
वै।

